



रेल मंत्री श्री सुरेश प्रभाकर प्रभू ने यात्री अनुभव बढ़ाने के लिए मिशन रेट्रो फिटमेंट का शुभारंभ किया

Posted On: 13 JUN 2017 8:53PM by PIB Delhi

बेहतर साज-सज्जा, सौंदर्यकरण तथा सुविधाओं वाले सवारी डिब्बों के मौजूदा बड़े को उन्नयित कर तथा संरक्षित व सुविधाजनक यात्रा प्रदान करने के दृष्टिकोण से बेहतर संरक्षा विशेषताओं का प्रावधान करके यात्री अनुभव की अभिवृद्धि हेतु रेलमंत्री श्री सुरेश प्रभाकर प्रभू ने आज रेल भवन में **मिशन रेट्रो-फिटमेंट** का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों में सदस्य यातायात, रेलवे बोर्ड, मोहम्मद जमशेद, सदस्य, चल स्टॉक, रेलवे बोर्ड, श्री रविन्द्र गुप्ता, कार्मिक सदस्य, रेलवे बोर्ड, श्री प्रदीप कुमार भी शामिल थे।

इस अवसर पर बोलते हुए रेलमंत्री श्री सुरेश प्रभू ने कहा कि रेट्रो फिटनेस मिशन भारतीय रेलों के सवारी डिब्बों में साज-सज्जा तथा सुविधाओं का स्तर ऊंचा करने का एक महत्वकांक्षी कार्यक्रम है। यह विश्व की विशालतम रेट्रो फिटनेस परियोजनाओं में से एक है क्योंकि भारतीय रेलों के **40,000** हजार सवारी डिब्बों को अगले पांच वर्ष में सुसज्जित तथा रेट्रो सज्जित किया जाएगा। मिशन रेट्रो फिटमेंट बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करने की ओर एक प्रयास है जिसमें सवारी डिब्बों की आंतरिक सुसज्जा की जाएगी तथा संतुलित ड्राफ्ट गियर वाले सेंटर बफ़र कप्लर यात्रियों को ओर अधिक संरक्षा प्रदान करेंगे। 2020 तक भारतीय रेलें यात्रियों को नया यात्री अनुभव देंगी। यह मिशन चुनौती भरा है क्योंकि यातायात परिचालन को प्रभावित किये बिना इसे सम्पन्न किया जाना है। इस अवसर पर रेलमंत्री श्री सुरेश प्रभाकर प्रभू ने एक पुस्तिका का भी विमोचन किया जिसमें रेट्रो फिटमेंट तथा साजो-सज्जा के विशाल प्रयास के पैमाने तथा दिशानिर्देश दिये गये हैं।

रेट्रो-फिटमेंट मिशन के दिशानिर्देश

- नवीनीकरण : सवारी डिब्बों की आंतरिक सज्जा का उन्नयन
- 2022-23 तक लगभग 40,000 उन्नयित आंतरिक सज्जा वाले सवारी डिब्बे शामिल करने की योजना है।
- 6,700 सवारी डिब्बों के नवीनीकरण के लिए चल स्टॉक कार्यक्रम पहले ही स्वीकृत है।
- अनुमानित लागत : 30 लाख रुपये प्रति सवारी डिब्बा

वर्ष	सवारी डिब्बों की संख्या
2017-18	1,000
2018-19	3,000
2019-20	5,000
2020-21	5,500
2021-22	5,500
2022-23	5,000
उच्च अंतर सज्जा सहित निर्मित नये डिब्बे (18-19 to 22-23)	15,000
योग	40,000

कार्यनीति

स्वीकृत मौजूदा चल स्टॉक

- 700 सवारी डिब्बे : क्षेत्रिय रेलों/उत्पादन ईकाइयों (पश्चिम मध्य रेलवे-411, सवारी डिब्बा कारखाना (आईसीएफ)-189, मध्य रेलवे-75, रेल सवारी डिब्बा कारखाना कपूरथला-25) को आवंटित: यह सभी संविदा जारी करने तथा निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं।
- 57 सवारी डिब्बे भोपाल सवारी डिब्बा पूनर्वास कार्यशाला द्वारा सुसज्जित किये गये हैं।
- 6,000 सवारी डिब्बे:
- आई सी एफ द्वारा संविदा : 3000
- कोफर्मा द्वारा संविदा : 2000
- पश्चिम मध्य द्वारा रेलवे: 1000
- कुल 6,700 सवारी डिब्बे

चल स्टॉक कार्यक्रम के तहत अतिरिक्त स्वीकृतियां यथा समय ले ली जाएंगी।

नवीनीकरण : विशेष मुद्दे

विश्वस्तरीय सुविधा

- अदृश्य पेच, एल ई डी लाईटों वाले पैनल
- अदृश्य पाइप लाइन, ब्रांडेट फिटिंग्स, पावर विशियन ब्लाइंड्स और ग्रीफ्टी रोधी कोटिंग आदि, इत्यादि वाले मोड्यूलर शौचालय

बेहतर यात्री संरक्षा

- आग तथा धंआ खोजी प्रणाली (नये निर्मित वातानुकूलित सवारी डिब्बे)
- द्विकार्य प्रणाली डिब्बा द्वार (वातानुकूलित सवारी डिब्बों में चोट आदि से सुरक्षा के लिए अधिकांश स्थानों पर गोलाईदार किनारे)

पर्यावरण का ध्यान

- बायो शौचालय

बेहतर सामग्री का उपयोग

- यथा पॉलीकार्बोनेट ए बी एस, एडवांसड, ग्लास फाइबर रि-इन्फोर्सड प्लास्टिक, जीएफआरई, स्टेनलेस स्टील आदि।

यात्री सुविधा बढ़ोतरी

- यात्री प्रचार तथा यात्री सूचना प्रणाली, ब्रेल संकेत, सुविधायुक्त अभिकल्प, मोबाइल/लेपटॉप चार्जिंग हेतु अधिक प्वाइंटस् इत्यादि।

संतुलित ड्राफ्ट गियर वाले सेन्टर बफ़र कप्लर (सीबीसी) की रेट्रो फिटमेंट

- बोर्ड ने लगभग 32,000 इन्टेग्रल कोच फैक्ट्री के सवारी डिब्बों की सीबीएस तथा संतुलित ड्राफ्ट गियर के साथ रेट्रो फिटमेंट (शून्य वर्ष की न्यूनतम अवशिष्ट अवधि वाली) की स्वीकृति दी है।
- 16,000 हजार सवारी डिब्बों में रेट्रो फिटमेंट के लिए चल स्टाक कार्यक्रम (आर एस पी के अन्तर्गत पिंक बुक संख्या 1254/17-18 के तहत स्वीकृति
- अनुमानित लागत : 28 लाख रुपये प्रति डिब्बा
- चल स्टाक कार्यक्रम के तहत अतिरिक्त स्वीकृतियां यथा समय प्राप्त कर ली जाएंगी
- 2022-23 तक कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है

वर्ष	सवारी डिब्बों की संख्या
2017-18	2,000
2018-19	5,000
2019-20	5,500
2020-21	7,000
2021-22	7,000
2022-23	5,500
कुल	32,000

आंतरिक स्रोतों से

- मध्य कार्यकाल पुनर्वास (एम एल आर) तथा आवधिक मरम्मत (पी ओ एच) कार्यशालायें
- पहले से ही रेट्रो फिटेट 24 सवारी डिब्बे 23-04-2017 से गाड़ी संख्या 15120-19 मंडुवाडी-रामेश्वरम एक्सप्रेस में चल रहे हैं
- संतुलित ड्राफ्ट गियर वाले सीबीसी उपलब्ध कराये जाने के पश्चात कार्य नियमित रूप से प्रारंभ होने की संभावना है

अनुबंध (संविदा) पर

- रेल परिसरों में कोफमों ने 2,500 सवारी डिब्बों के लिए निविदाएं आमंत्रित की हैं जिन्हें अंतिम रूप दिया जा रहा है, कार्य की संभावित शुरुआत अक्टूबर 2017
- फर्म के परिसरों में : कोफमों ने 5,000 सवारी डिब्बों के लिए निविदाएं आमंत्रित की हैं, निविदा जुलाई 2017 में खोली जाएगी, कार्य की संभावित शुरुआत नवम्बर 2017
- चल स्टॉक कार्यक्रम के तहत अतिरिक्त स्वीकृतियां यथा समय प्राप्त कर ली जाएंगी

सीबीसी की रेट्रो फिटमेंट - एक प्रमुख संरचनात्मक आशोधन

कार्य श्रृंखला

- शोचालयों तथा द्वार क्षेत्र को अलग करना
- सिरे के दीवार खम्बों की गैस कटिंग, हेड स्टॉक एसेम्बली गर्त तल
- सीबीसी के संगत हेड स्टॉक का निर्माण
- स्टेचिऑन पिलरस् तथा सोलबार के साथ नए हेड स्टॉक की टक वैल्विंग
- वक्रता मापन, तत्पश्चात हेड स्टॉक पूर्ण वैल्विंग
- डीपीटी के प्रयोग द्वारा संवेदनशील झलाही युग्मकों का निरीक्षण
- जंगरोधी इपोक्सी कोटिंग की उच्च निष्पादन पुताई
- दोनों और 2600 मिली मीटर तथा 2700 मिली मीटर की लम्बाई वाली सोलबार का बदलाव
- सिरे की दीवार चदरों, साइड दीवार चदरों की झलाई, टर्न अण्डर, गर्त तल
- सफाई तथा पुताई

वीके/जेडी/एल - 1721

(Release ID: 1492709) Visitor Counter : 14

